१०. टीकाचार्यर पाद...

टीकाचार्यर पाद सोकिद कोनॆ धूळि ताकिद मनुजरिगॆ
काकु बुद्धिगळॆल्ल परिहार वागुवुदु बेकाद पदविय कॊडुवनु श्री हरि

मध्व मत वॆंबो दुग्दाब्धियॊळु उद्भविसिद चंद्रनो
अद्वैत मत विपिन भेद कुठार विद्यारण्यर गर्वक्कॆ परिहार-------------------१

तत्वव नुडिसलु तत्वसुधा भाष्य विस्तरिसिद चंद्रनो
चित्त विट्टु माडि टीकावन्नु सुत्तेळु जगकॆल्ल प्रकटिसि मॆरॆदंथ--------------२

ऎंदिगादरु ऒम्मॆ कोनॆ नालिगॆयिंद बिंदु मात्रदि नॆनॆये
मंद मतिगादरु अज्ञाननाशन संदेह विल्लवय्य स्मरणॆ मात्र दिंद-------------३

ज ऎंदु नुडियलु जयशील नागुव य ऎंदु नुडियलु यमनंजुव
ती ऎंदु नुडियलु तिमिर पातक हानि र्थ ऎंदु नुडियलु तापत्रय परिहार---------४

योगि अक्षोभ्यर करकमल संजात भागवतर प्रियने
योगिगळरसनॆ मळखेड निवास कागिणि तटवास विजय विठल दास----------५